



भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग

प्रलम्बिस् के लयि:

इलेक्ट्रिक वाहन (EV), प्रोडक्शन-लकिड इंसेंटिव (PLI), ऑटोमोटिव मशिन प्लान 2016-26, नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मशिन प्लान 2020 (NEMMP)।

मेन्स के लयि:

भारत में ऑटोमोबाइल क्षेत्र का महत्त्व।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय वाणज्य और उद्योग मंत्री ने 62वें ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (Automotive Component Manufacturers Association-ACMA) के वार्षिक सत्र को संबोधित किया।

- सत्र का वषिय 'फ्यूचर ऑफ मोबिलिटी- ट्रांसफोरमिंग टू बी अहेड ऑफ ऑपरच्युनिटी' (Future of Mobility - Transforming to be Ahead of Opportunity) था।
- ACMA, भारतीय ऑटो कंपोनेंट उद्योग के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था है। 850 से अधिक निर्माताओं की इसकी सदस्यता संगठित क्षेत्र में ऑटो कंपोनेंट उद्योग के कारोबार में 85% से अधिक का योगदान करती है।

सत्र की मुख्य वशिषताएँ:

- इस सत्र में ऑटोमोबाइल उद्योग के लयि 5-सूत्री कार्य एजेंडा प्रस्तुत किया गया:
 - विश्व सत्र पर प्रतिस्पर्धी बनने और आयात पर निर्भरता कम करने के लयि गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना।
 - समग्र रूप से वचिर करने और खुलेपन एवं प्रतिस्पर्धा की भावना से दूसरों के साथ जुड़ने के लयि एक व्यापक दृष्टिकोण रखना।
 - मूल्यवर्द्धन पर बल देना।
 - अप्रतिस्पर्धी बाजार से बाहर निकलना और उन क्षेत्रों में बाजार के नए अवसरों का पता लगाना जहाँ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो।
 - उद्योग के लयि बड़े लक्ष्य और महत्वाकांक्षाएँ निर्धारित करना।
- इसके अलावा सरकार इस बात पर बल देती है कि ऑटोमोटिव कंपोनेंट उद्योग का भविष्य अधिक कनेक्टेड होने, सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने, स्वच्छ ऊर्जा और स्वच्छ गतिशीलता की ओर उन्मुख होने तथा अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करने पर आधारित है।

भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग की स्थिति:

- परिचय:
 - ऑटोमोबाइल उद्योग में यात्री वाहन, वाणज्यिक वाहन, तपिहया, दोपहया और क्वाड्रिसाइकलि सहित सभी ऑटोमोबाइल वाहन शामिल हैं।
 - भारत का मोटर वाहन बाजार वर्ष 2021 में 100 बलियन अमेरिकी डॉलर का था जिसके पूर्वानुमान अवधि (2022-2027) पर 1% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) दर्ज करते हुए वर्ष 2027 में 160 बलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है।
 - 4 मिलियन से अधिक मोटर वाहनों के औसत वार्षिक उत्पादन के साथ भारत दुनिया में ऑटोमोबाइल का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है।
 - भारत विश्व का सबसे बड़ा ट्रैक्टर निर्माता, दूसरा सबसे बड़ा बस निर्माता और तीसरा सबसे बड़ा भारी ट्रक निर्माता है।
 - वर्ष 2025 तक भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार 50,000 करोड़ (7.09 अमेरिकी डॉलर) तक पहुँचने की उम्मीद है।
 - सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हसिसेदारी: 7.1%
 - भारत के निर्यात में हसिसेदारी: 4.7%
- पहल:
 - उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना:

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्रों में **उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना** की घोषणा की।
- **ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिये** पीएलआई योजना (3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत) उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी उत्पादों के घरेलू वनिर्माण को बढ़ावा देने और ऑटोमोटिव वनिर्माण मूल्य शृंखला में नविश आकर्षण करने हेतु 18% तक के वित्तीय प्रोत्साहन प्रस्तावित करती है।
- **प्रत्यक्ष वदेशी नविश (एफडीआई):**
 - स्वचालित मार्ग के तहत पूर्ण लाइसेंसिंग के साथ 100% तक प्रत्यक्ष वदेशी नविश (FDI) की अनुमति है। इसलिये नविशकों के लिये भारत में अपना वनिर्माण संयंत्र/दुकान स्थापित करना आसान हो गया है।
 - **ऑटोमोटिव मशिन योजना 2016-26 (एएमपी 2026):**
- **ऑटोमोटिव मशिन योजना 2016-26 (एएमपी 2026)** भारत में ऑटोमोटिव इकोसिस्टम के विकास की दिशा को रेखांकित करती है, जिसमें अनुसंधान, डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी, परीक्षण, निर्माण, आयात/निर्यात, बिक्री को नियंत्रित करने के साथ ही ऑटोमोटिव वाहनों, घटकों और सेवाओं का उपयोग, मरम्मत और पुनर्रचना शामिल है।
- **नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मशिन प्लान 2020 (NEMMP):**
 - एनईएमएमपी पहल **भरोसेमंद, कफायती और सक्षम एक्सईवी (हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन) को प्रोत्साहित करने** के लिये की गई है जो सरकार-उद्योग दोनों के सहयोग से उपभोक्ताओं के प्रदर्शन और कीमत संबंधी अपेक्षाओं को पूरा कर सके।

ऑटोमोबाइल उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ:

- **शेयरड कार:** गत 3-4 वर्षों में भारत में ओला, उबर जैसे शेयर एप में काफी तेज़ी से वृद्धि हुई है।
 - ये एप भारी ट्रैफिक में ड्राइविंग जैसी परेशानी के बिना यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाते हैं तथा वाहन के रखरखाव की लागत से बचाते हैं, वह भी सभी सस्ती दरों पर। इसने निश्चित रूप से स्वामित्व की अवधारणा को चुनौती दी है और इस प्रकार वाहनों की बिक्री को प्रभावित किया है।
- **टाइट क्रेडिट अवेलेबिलिटी:** देश में 80-85% वाहनों को राष्ट्रीयकृत बैंकों, नज़ी बैंकों या NBFC द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।
 - कार खरीदने वाले लोगों को ऋण देने में बैंक अतिरिक्त सतर्कता बरत रहे हैं।
- **इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर संक्रमण:** सरकार क्रमशः 2023 और 2025 तक आंतरिक दहन संचालित दोपहिया एवं त्रिपहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है।
 - यह परिवर्तन अचानक तब आया है, जब ऑटोमोबाइल क्षेत्र की स्थिति पहले से ही वक़िट है क्योंकि वाहनों की बिक्री दो दशक के नचिले स्तर पर आ गई है और रोज़गार में कमी के साथ बाज़ार की स्थिति भी खराब हो गई है।
- **कमर्शियल वाहनों की मांग में कमी:** नए मॉडल के ट्रकों की माल दुलाई क्षमता में वृद्धि हुई है। इससे नए ट्रकों की मांग में गिरावट आई है क्योंकि उपभोक्ता अपने ट्रकों में माल दुलाई कर सकते हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न: मैग्नेटाइट कण जो न्यूरोडीजेनेरेटिव समस्याओं का कारण बनते हैं, पर्यावरण प्रदूषक के रूप में नमिनलखित में से कसिसे उत्पन्न होते हैं?

1. मोटर वाहनों के ब्रेक
2. मोटर वाहनों के इंजन
3. घरों के भीतर माइक्रोवेव स्टोव
4. बजिली संयंत्र
5. टेलीफोन लाइनें

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1, 2, 3 और 5
- (b) केवल 1, 2 और 4
- (c) केवल 3, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- चुंबकीय नैनो कण, नैनो कणों का एक वर्ग है जसि चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करके फेरबदल किया जा सकता है। ऐसे कणों में आमतौर पर दो घटक होते हैं, पहला- चुंबकीय सामग्री, जसिमे लोहा, निकिल और कोबाल्ट शामिल है और दूसरा- रासायनिक घटक जसिमे कार्यक्षमता होती है। जब भी उपकरणों में कसिी चुंबकीय घटक का उपयोग किया जाता है, तो वे चुंबकीय प्रवाह उत्पन्न करते हैं और चुंबकीय कण उत्पन्न करते हैं।
- ऑटोमोटिव उद्योग द्वारा वाहनों को सुरक्षित बनाने के लिये सरिमिकि या फेराइट मैग्नेट का उपयोग किया जाता है। मोटर वाहनों में इस प्रकार के चुंबकों के उपयोग से चुंबकीय कण उत्पन्न हो सकते हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- मोटर वाहनों के इंजन चुंबकीय कण उत्पन्न कर सकते हैं क्योंकि वे उच्च शक्ति वाले चुंबकों का उपयोग करते हैं जो चुंबकीय प्रवाह उत्पन्न करते

हैं। अतः 2 कथन सही है।

- माइक्रोवेव में चुंबकीय उत्तेजक (Stirrer) (चुंबकीय उत्तेजक एक उपकरण है जो व्यापक रूप से प्रयोगशालाओं में उपयोग किया जाता है और इसमें घूर्णन चुंबक होता है) का उपयोग किया जाता है जो चुंबकीय कण उत्पन्न कर सकता है। अतः कथन 3 सही है।
- वदियुत् संयंत्र राख के साथ धातु सामग्री उत्पन्न करते हैं। वदियुत् संयंत्रों में कोयले का उपयोग दहन से जुड़े मैग्नेटाइट महीन कणों का प्रमुख स्रोत है। अतः कथन 4 सही है।
- टेलीफोन लाइनें कम आवृत्ति, कम ऊर्जा वदियुत् चुम्बकीय क्षेत्र उत्पन्न करती हैं जो मैग्नेटाइट कणों के संभावित स्रोत हैं। अतः कथन 5 सही है।

अतः विकल्प d सही है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/automobile-industry-in-india>

